4. प्रश्न संख्या 1 एवं 2 के अधोरेखांकित पदों से किन्हीं पांच पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (1×5=5)

Write grammatical notes on any **five** of the underlined word from the question number **one** & **Two**.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (3×3=9)

Write short notes on any **three** of the following :

नायक, अङ्क, कञ्चुकी, सूत्रधार, नान्दी।

6. संस्कृत नाटकों के स्वरुप का वर्णन कीजिए। (1×8=8)

Discuss the nature of Sanskrit drama.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (2×4=8)

Write short notes on any **two** of the following :

विशाखदत्त, श्रीहर्ष, भास, कालिदास

28 Dec

[This question paper contains 6 printed pages]

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY Punjabi Bagh, New Delhi-110026

Your Roll No.......

Sr. No. of Question Paper : 3487

28 DEC 2022

Unique Paper Code : 62134309

Name of the Paper : Sanskrit Drama

Name of the Course : **DSC (P)**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** the questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

P.T.O.

munotes.in

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (3×5=15)

Translate the following :

(क) आरब्धे पटहे स्थिते गुरुजने भद्रासने लङ्घिते

स्कन्धोच्चारणनम्यमानवदनप्रच्योतितोये घटे ।

राज्ञाहूय विसर्जिते मयि जनो धैर्येण मे विस्मित:

स्व: पुत्र: कुरुते पितुर्यदि वच: कस्तत्र भो ! विस्मय:? ।।

अथवा / OR

कर्णौ त्वरापहृतभूषणभुग्नपाशौ संस्रंसिताभरणगौरतलौ च हस्तौ ।

एतानि चाभरणभारनतानि गात्रे स्थानानि नैव समतामुपयान्ति तावत् ।।

(ख) एते ते देवतानामसुरपुरवधे गच्छन्त्यभिसरी-

मेते ते शक्रलोके सपुरजनपदा यान्ति स्वसुकृतै: ।

एते ते प्राप्नुवन्त: स्वभुजबलजितां कृत्स्नां वसुमती-

मेते ते, मृत्युना ये चिरमनवसिताश्छन्दं मृगयता ।।

अथवा / OR

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिये : (2×8=16)

Answer any **two** of the following :

'तत्रापि च चतुर्थोऽङ्क:' - इस कथन की व्याख्या कीजिए ।

Explain the statement - "तत्रापि च चतुर्थोऽङ्क:"

अथवा / OR

प्रतिमानाटक के प्रथम अंक का सार लिखिए ।

Write the Summary of first Act of "Pratima nataka".

अथवा / OR

'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के आधार पर कालिदास के नाट्यशैली की विवेचना कीजिए ।

On the basis of 'Abhijnanashakuntalam' analyze the dramatic art of Kalidas.

अथवा / OR

'प्रतिमा नाटक' के तृतीय अङ्क के श्लोकों का सार अपने शब्दों में लिखिए ।

Write the summary of the verses of the third act of 'Pratima nataka'.

P.T.O.

munotes.in

हृदय ! भव सकामं यत्कृते शङ्कसे त्वं
शृणु पितृनिधनं तद् गच्छ धैर्यं च तावत् ।
स्पृशति तु यदि नीचो मामयं शुल्कशब्द-
स्त्वथ च भवति सत्य तत्र देहो विशोध्यः ।।

(ग) भूत्वा चिराय चतुरन्तमहीसपत्नी
दौष्यन्तिमप्रतिरथं तनयं निवेश्य ।
भर्त्रा तदर्पितकुटुम्बभरेण सार्धं
शान्ते करिष्यसि पदं पुनराश्रमेऽस्मिन् ।।

अथवा / OR

शुश्रूषस्व गुरून्कुरु प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने
भर्तुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः ।
भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः ।।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (2×7=14)

Explain the following with reference to context :

munotes.in

(क) यस्य त्वया व्रणविरोपणमिङ्गुदीनां

तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे ।

श्यामाकमुष्टिपरिवर्धितको जहाति

सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते ।।

अथवा / OR

अनुमतगमना शकुन्तला

तरुभिरियं वनवासबन्धुभिः ।

परभृतविरुतं कलं यथा

प्रतिवचनीकृतमेभिरीदृशम् ।।

(ख) पितुः प्राणपरित्यागं मातुरैश्वर्यलुब्धताम् ।

ज्येष्ठभ्रातुः प्रवासं च त्रीन् दोषान् कोऽभिधास्यति ?

अथवा / OR

समं बाष्पेण पतता तस्योपरि ममाप्यधः ।

पितुर्मे क्लेदितौ पादौ ममापि क्लेदितं शिरः ।।

munotes.in